Amity University
Uttar Pradesh

Savita Mehta
Vice President - Communications

Amity University
Block E-II, 2nd Floor
Sector – 125, Noida
Ph: 0120 - 4392620
Fax: 0120-4392622
www.amity.edu

प्रेस विज्ञप्ति
नवंबर 05, 2016

एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित 6 वें अंर्तराष्ट्रीय मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन

छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया का प्रयोगिक ज्ञान देने हेतु एमिटी विश्वविद्यालय मे एमिटी लॉ स्कूल नोएडा द्वारा " अंर्तराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून " विषय पर 6 वें एमिटी अंर्तराष्ट्रीय मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसका आज समापन हो गया। समापन समारोह में विजयी छात्रों को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश श्री आर के अग्रवाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री विभू बाखरू, मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री टी माथीवानन, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री अरूण टंडन, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया एंव वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री पिंकी आनंद, लॉ एशिया के अध्यक्ष श्री प्रशांत कुमार, खेतान एंड कंपनी के पार्टनर श्री शरद वैद्य, एमिटी शिक्षाण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान, एंव एमिटी लॉ स्कूल के एक्टिंग चेयरमैन डा डी के बंदोपाध्याय ने ट्राफी एंव सर्टिफिकेट प्रदान किया।

इस 6 वें एमिटी अंर्तराष्ट्रीय मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता में एनएलआईयू भोपाल, डा बाबा साहेब अंबेडकर कॉलेज ऑफ लॉ, गर्वरमेंट लॉ कॉलेज तिसूर, एनएलयू आसाम, सविथा स्कूल ऑफ लॉ, सिंबायसिस लॉ स्कूल पूणे, वी एम सॉलोगावकर कॉलेज ऑफ लॉ गोवा, जीएलसी मुबंई, एनयुएएलएस कोच्ची, यूनीटी डिग्री कॉलेज लखनउ, जीएनएलसी इंदौर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, गीता लॉ कॉलेज पानीपत, जामिया विश्वविद्यालय, चाणक्या नेशनल लॉ विश्वविद्यालय पटना, सहित 37 संस्थानों की टीमों ने हिस्सा लिया था। जिसमे

को चाणक्या नेशनल लॉ विश्वविद्यालय पटना की टीम को प्रथम पुरस्कार, एनएलआईयू भोपाल को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश श्री आर के अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता छात्रों को न्यायालय की मौखिक एंव लिखित भाषा का अनुभव, न्यायाधीशों के सामने प्रस्तुती आदि का अभ्यास करने मे सहायता करता है। यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि लॉ संस्थानों द्वारा छात्रों को पाठय पुस्तकों के ज्ञान के अलावा प्रयोगिक ज्ञान की शिक्षा भी दी जा रही है। न्यायाधीश अग्रवाल ने कहा कि एक अधिवक्ता सदैव अधिवक्ता रहता है फिर चाहे वह किसी भी पद पर क्यो न पहुंच जाये। आप हमेशा एंव हर बार केस से कुछ नया सीखते है और यह प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। उन्होने छात्रों के सुखद भविष्य की कामना की ।

मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री टी माथीवानन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता आपके ज्ञान मे इजाफा करेगी। आप विधी ज्ञान के अलावा केस की प्रस्तुती, पेश करने की प्रक्रिया एंव न्यायाधीशों के समझ अपनी बात रखने के तरीके को सीखते है। उन्होने कहा कि छात्रों को न्यायालय की ट्रायल प्रक्रिया को भी देखना एंव समझना चाहिए। विधि क्षेत्र मे सीखने के लिए बहुत कुछ है, हर केस आपको नई जानकारी देता है और आपके मस्तिष्क को तेज बनाता है। उन्होनें छात्रों को लॉ जनरल एंव कोर्ट जजमेंट पढ़ने की सलाह भी दी।

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री विभू बाखरू ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाला वक्त इ - कोर्ट का है। छात्रों द्वारा आयोजित यह कागज रहित इ - मूर्ट कोर्ट काफी सराहनीय है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इ - कोर्ट की दिशा मे कदम बढ़ाया है। लगभग 12 कोर्ट को कागज रहित या इ - कोर्ट बनाया गया है। उन्होने कहा कि एक दिन ऐसा आयेगा जब स्क्रीन पर फाइलों को पढ़ कर न्यायालय की प्रक्रिया पर काम होगा और लोग घर से पिटिशन फाइल करेगें। यह प्रक्रिया हमारे पर्यावरण के लिए लाभदायक होगी। न्यायाधीश बाखरू ने कहा कि मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता से छात्रों की भाषा के साथ अपने विचार प्रकट करने के गुण विकसित होते है।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया एंव वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री पिंकी आनंद ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अंर्तराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून

का विषय प्रासंगिक है। देशों के मध्य आपसी मसलों को सुलझाने हेतु हमे ऐसे अधिवक्ताओं की आवश्यकता पड़ती है जिन्हे अंर्तराष्ट्रीय कानूनों, अंर्तराष्ट्रीय मानवाधिकारों की जानकारी है। उन्होनें कहा कि अंर्तराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र मे कई सारे अवसर छात्रों हेतु उपलब्ध है उन्हे इसका लाभ उठाना चाहिए।

एमिटी शिक्षाण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान ने अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि एमिटी का उददेश्य छात्रों का सर्वागीण विकास करना है इसलिए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं द्वारा छात्रों को विधी क्षेत्र के विशेषज्ञों से मुलाकात का मौका भी देते है। उन्होने कहा कि आप भविष्य विधि के क्षेत्र कार्य करेगें तो हमेशा यह कोशिश करे कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की अधिक से अधिक निशुल्क सहायता करें। ऐसा करके आप अपने देश, संस्थान एंव समाज का नाम रौशन करेगें। डा चौहान ने कहा कि भारतीय विधी जानकारें, अधिवक्ताओं, न्यायाधीशों का विश्व मे कोई मुकाबला नही है।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा मूर्ट कोर्ट प्रतियोगिता पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर एमिटी लॉ स्कूल नोएडा के शिक्षाकगण एंव छात्रगण उपस्थित थे।

अधिक जानकारी के लिए संर्पक करें - अनिल दुबे - 9818671697